राष्ट्रबाण
नागपुर VISION
।। धर्मो रक्षति रक्षितः ।।

तापमान. नागपुर, अधिकतम 28.6°C न्यूनतम 24.5°C

नागपुर, रविवार, 28 सितंबर 2025

सभी प्लेटफॉर्मों को जोड़ने वाला आधुनिक 'एलिवेटेड कॉन्कोर्स'

रेलवे स्टेशन को जल्द ही मिलेगा 'एयरपोर्ट लुक'

राष्ट्रबाण

नागपुर. नागपुरवासियों और विदर्भ के यात्रियों के लिए खुशखबरी है. नागपुर रेलवे स्टेशन अब पूरी तरह से बदलने जा रहा है और यहाँ 'एयरपोर्ट स्टाइल' वाला एलिवेटेड कॉन्कोर्स बनाया जा रहा है. इस परियोजना के पूरा होने के बाद यात्रियों को एक आधुनिक और सर्वसुविधायुक्त रेलवे स्टेशन का अनुभव मिलेगा. रेलवे प्रशासन के अनुसार, यह एलिवेटेड रूफ ब्रिज 5,616 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में फैला होगा, जिसकी चौड़ाई 108 मीटर और लंबाई 52 मीटर होगी. यह रूफ ब्रिज प्लेटफार्म संख्या 2/3 से 6/7 तक फैला होगा और पूर्व तथा पश्चिम दोनों प्रवेश द्वारों से आसानी से पहुँचा जा सकेगा. प्लेटफ़ॉर्म नंबर 5 का निर्माण कार्य अभी चल रहा है, और इसी कड़ी में यह एलिवेटेड रूफ ब्रिज बनाया जा रहा है. इसका उद्देश्य रानी कमलापति (भोपाल) और गांधीनगर (गुजरात) स्टेशनों की तर्ज पर नागपुर स्टेशन को एक विश्वस्तरीय यात्रा केंद्र बनाना है. यह छत न केवल एक यात्रा मार्ग होगी, बल्कि इसमें फूड कोर्ट, दुकानें, शौचालय और एक आरामदायक प्रतीक्षालय भी होगा. यात्री यहाँ बैठकर अपनी ट्रेन का इंतज़ार कर सकेंगे, जिससे प्लेटफ़ॉर्म पर भीड़ कम होगी. एस्केलेटर, लिफ्ट और सीढ़ियों की मदद से यात्रियों को सभी प्लेटफ़ॉर्म तक आसानी से पहुँचा जा सकेगा. गौरतलब है कि प्लेटफ़ॉर्म नंबर 8 भी इस एलिवेटेड ब्रिज से जुड़ा होगा. यह नया डिज़ाइन नागपुर रेलवे स्टेशन को सिर्फ़ एक यात्रा केंद्र से एक आधुनिक और कुशल परिवहन केंद्र में बदल देगा. यह परियोजना निश्चित रूप से नागपुर के लोगों के लिए गौरव का विषय होगी और शहर की प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा.

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने शताब्दी वर्ष की शुरुआत की

3 स्थानों से एक साथ हुआ पथ संचलन

राष्ट्रबाण

नागपुर. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) को अपने शताब्दी वर्ष की शुरुआत की. इस अवसर पर नागपुर में पहली बार 3 स्थानों से एक साथ पथ संचलन (मार्च-पास्ट) आयोजित किया गया. यह आयोजन संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की 100वीं पुण्यतिथि के अवसर पर किया गया.

पथ संचलन की शुरुआत कस्तूरचंद पार्क, यशवंत स्टेडियम और अमरावती रोड स्थित हॉकी मैदान से हुई. तीनों स्थानों से निकलने वाले स्वयंसेवक शाम 7:45 बजे वैरायटी चौक, सीताबर्डी में एकत्रित हुए. इस आयोजन में हजारों स्वयंसेवकों ने भाग लिया और अनुशासन, एकता और शक्ति का परिचय दिया. संघ के प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर ने बताया कि इस वर्ष पथ संचलन में लगभग 21,000 स्वयंसेवकों ने भाग लिया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3 गुना अधिक है. संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने इस अवसर पर कहा कि संघ का उद्देश्य केवल शारीरिक प्रशिक्षण नहीं, बल्कि समाज की सेवा और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना है. उन्होंने संघ के कार्यों को समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाला बताया. इस आयोजन में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी भाग लिया. पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने इस आयोजन की सराहना की और संघ के योगदान को महत्वपूर्ण बताया. संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आगामी दिनों में विभिन्न कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है, जिनमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, शस्त्र पूजा और योगाभ्यास शामिल हैं. संघ ने देशभर में 83,000 से अधिक शाखाओं के माध्यम से समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण के कार्यों को गति दी है. नागपुर में आयोजित इस ऐतिहासिक पथ संचलन ने संघ के शताब्दी वर्ष की शुरुआत को यादगार बना दिया है. यह आयोजन संघ के उद्देश्यों और कार्यों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाने में सहायक सिद्ध होगा.

फास्ट ट्रैक

5 अपराधी हथियारों समेत गिरफ्तार

नागपुर. पांचपावली पुलिस ने पेट्रोलिंग के दौरान मिली गुप्त जानकारी के आधार पर छापा मार कार्रवाई करते हुए खैरीपुरा रेलवे पटरी के पास डकैती की योजना बना रहे 5 कुख्यात अपराधियों को घातक हथियारों के साथ धर दबोचा. पुलिस ने मौके से मिर्ची पाउडर और मोटरसाइकिल भी जब्त किये हैं. बताया जा रहा घटना वाली रात ही अपराधियों ने परिसर में हुड़दंग मचाते हुए एक युवक पर तलवार से हमला कर जान से करने का प्रयास किया था हालांकि किसी तरह यह युवक अपनी जान बचाकर मौके से भाग गया था.

प्राजक्ता माली ने किया रोकड़े ज्वेलर्स महाल शोरूम का भव्य उद्घाटन

रोकड़े ज्वेलर्स ने पेश की शानदार कलेक्शन और आधुनिक सुविधाएं

राष्ट्रबाण

नागपुर. शहर के प्रतिष्ठित ज्वेलरी ब्रांड रोकड़े ज्वेलर्स ने महाल इलाके में अपने नए शोरूम का भव्य उद्घाटन किया. इस मौके पर महाराष्ट्र की चर्चित नेता और समाजसेवी प्राजक्ता माळी ने शोरूम के फीता काटकर उद्घाटन किया. उद्घाटन समारोह में शहर के जाने-माने नागरिक, व्यापारिक प्रतिनिधि और मीडिया के लोग भी उपस्थित थे. नए शोरूम में ग्राहक अब आधुनिक सुविधाओं के साथ उच्च गुणवत्ता वाले गहनों का चयन कर सकते हैं. शोरूम की डिज़ाइन और व्यवस्था इस तरह की गई है कि ग्राहकों को सहज और आरामदायक खरीदारी का अनुभव मिले. रोकड़े ज्वेलर्स के प्रतिनिधियों ने बताया कि इस नए शोरूम का उद्देश्य सिर्फ व्यापार बढ़ाना नहीं, बल्कि नागपुरवासियों को स्टाइलिश और प्रीमियम ज्वेलरी कलेक्शन उपलब्ध कराना भी है. शोरूम में सोने, हीरे और कस्टम डिज़ाइन किए गए गहनों का विस्तृत संग्रह रखा गया है. उद्घाटन के मौके पर प्राजक्ता माळी ने कहा, रोकड़े ज्वेलर्स का नया शोरूम नागपुर में व्यवसाय और रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा. यह शहरवासियों के लिए एक आकर्षक गहनों का केंद्र बनेगा. शोरूम का यह नया अध्याय नागपुर के ज्वेलरी बाजार में एक नई चमक और उत्साह लेकर आया है, और व्यापारियों तथा ग्राहकों के बीच इसे लेकर काफी उत्सुकता देखने को मिली.

स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर बड़ी खबर, देश में 743 उपभोक्ता

अब स्मार्ट मीटर में भी बिजली की चोरी

राष्ट्रबाण

नागपुर. महाराष्ट्र वितरण निगम और सरकार दावा कर रहे थे कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर से बिजली चोरी कम होगी. हालाँकि, अब इसी मीटर से राज्य भर में बिजली चोरी के 743 मामले सामने आ चुके हैं. आइए जानें कि आखिर यह चोरी कैसे होती है और किन इलाकों में बिजली चोरी के कितने मामले पकड़े गए हैं. विभिन्न उपभोक्ता संगठनों, नागरिकों, बिजली कर्मचारी संगठनों और राजनीतिक दलों द्वारा 'स्मार्ट मीटर' का विरोध आज भी जारी है. महाराष्ट्र वितरण निगम ने कहा था कि 'मीटर पोस्टपेड' रहेगा और 'प्रीपेड' सुविधा नहीं होगी. इसके साथ ही, महाराष्ट्र वितरण निगम ने यह भी दावा किया था कि इस मीटर से बिजली चोरी और बिजली का नुकसान कम होगा. लेकिन हकीकत में, इन मीटरों के ज़रिए भी बिजली चोरी हो रही है और सबसे ज़्यादा मामले मराठवाड़ा इलाके में पाए जा रहे हैं. चौंकाने वाली जानकारी यह सामने आई है कि राज्य के अन्य हिस्सों में भी बिजली चोरी के मामले सामने आए हैं. ऐसे में, महाराष्ट्र वितरण निगम के साथ-साथ राज्य सरकार के दावे पर भी सवालिया निशान लग गया है. मुंबई स्थित महाराष्ट्र वितरण नेटवर्क के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर स्वीकार किया कि 'स्मार्ट मीटर' से चोरी हो रही है. स्मार्ट प्रीपेड मीटरों का विभिन्न उपभोक्ता संगठनों, राजनीतिक दलों और श्रमिक संघों द्वारा अभी भी विरोध किया जा रहा है. इस मीटर के खिलाफ बॉम्बे उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ में एक जनहित याचिका भी दायर की गई है.

नए मीटरों से चोरी कैसे होती है?

मीटरों में छोटे-छोटे छेद करके छेड़छाड़ की जाती है, चुम्बक का इस्तेमाल करके भी बिजली चोरी की जाती है, कुछ लोग महावितरण के मूल बिजली सेवा चैनल से बाईपास विधि से बिजली चोरी करते पाए गए हैं. यह देखकर महावितरण के अधिकारी भी हैरान हैं.

महावितरण के कार्यकारी निदेशक ने क्या कहा?

महावितरण के उड़नदस्ते स्मार्ट मीटरों (TOD मीटर) में बिजली चोरी पकड़ रहे हैं. संबंधित अधिकारियों को इन मामलों का ठीक से अध्ययन करने के निर्देश दिए गए हैं. लोकसत्ता से बात करते हुए, महावितरण के सतर्कता एवं प्रवर्तन विभाग की कार्यकारी निदेशक अपर्णा गिति ने बताया कि ऐसे बिजली उपभोक्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान

गीला अकाल घोषित करने की मांग

राष्ट्रबाण

नागपुर. पिछले कुछ दिनों में राज्य में भारी बारिश हुई है. फसलों की वृद्धि और कीटों के प्रकोप के कारण किसानों को भारी नुकसान हुआ था, लेकिन बारिश ने फिर से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है. इस बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने सोयाबीन, कपास, अरहर और अन्य सब्जियों की फसलों को नुकसान पहुँचाया है. सोयाबीन की फसल पानी में डूब जाने से पेड़ों पर लगी फलियाँ सड़ कर गिर गई हैं.इसी तरह, ओलावृष्टि के कारण कपास, अरहर और पत्तेदार सब्जियों की फसलें भी मुरझा गई हैं. इस साल हुई भारी बारिश से किसान थक चुके हैं और घास पीली पड़ गई है.ऐसे समय में, सरकार के सामने चुनौती है कि वह सूखा घोषित करे और नुकसान की भरपाई करे. अगर सरकार किसानों की ओर ध्यान नहीं देती है, तो समय आने पर किसानों के पास आत्महत्या करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा.

संघ ने कांग्रेस नेताओं को क्यों आमंत्रित किया?

राष्ट्रबाण

नागपुर. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर इस वर्ष का विजयादशमी समारोह विशेष महत्व का होगा. यह भव्य समारोह 2 अक्टूबर को नागपुर के रेशमबाग मैदान में आयोजित किया जा रहा है और शताब्दी वर्ष होने के कारण इस कार्यक्रम को एक विशेष स्वरूप दिया गया है. पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे. गौरतलब है कि आरएसएस ने इस वर्ष इस समारोह के लिए कांग्रेस पार्टी के कुछ प्रमुख नेताओं को भी औपचारिक निमंत्रण भेजा है. आमंत्रित कांग्रेस नेताओं में नागपुर के विधायक विकास ठाकरे, पूर्व केंद्रीय मंत्री विलास मुत्तेमवार, पूर्व मंत्री सतीश चतुर्वेदी और वर्तमान विधायक डॉ. नितिन राऊत शामिल हैं. आरएसएस का यह निमंत्रण एक समावेशी और संवादात्मक रुख अपनाने का प्रयास प्रतीत होता है. संघ सूत्रों ने यह भी स्पष्ट किया है कि इसका उद्देश्य सभी क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को शामिल करके विजयादशमी समारोह की व्यापक स्वीकृति सुनिश्चित करना है. हालांकि, इस निमंत्रण को कांग्रेस की ओर से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मंत्री डॉ. नितिन राऊत ने संघ की विचारधारा से अपनी स्पष्ट असहमति व्यक्त करते हुए विनम्रतापूर्वक निमंत्रण अस्वीकार कर दिया है. राऊत ने स्पष्ट रूप से कहा, ₹संघ और कांग्रेस की विचारधारा में बुनियादी अंतर है. हम धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक समानता और संविधान के मूल्यों पर अडिग हैं. इसलिए ऐसे कार्यक्रम में भाग लेना उचित नहीं होगा. दूसरी ओर, विकास ठाकरे, विलास मुत्तेमवार और सतीश चतुर्वेदी ने अभी तक इस निमंत्रण पर अपना आधिकारिक रुख घोषित नहीं किया है. उनके इस फैसले ने राजनीतिक हलकों के साथ-साथ स्थानीय मीडिया का भी ध्यान खींचा है. यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि कांग्रेस पार्टी के भीतर से क्या प्रतिक्रिया आती है और स्थानीय व राज्य स्तर के नेता इस निमंत्रण को किस तरह देखते हैं. इस बीच, हर साल की तरह इस बार भी संघ के इस ऐतिहासिक विजयादशमी समारोह का मुख्य आकर्षण सरसंघचालक मोहन भागवत का भाषण होगा.

कार्यक्रम को एक विशेष स्वरूप दिया गया

'आपातकाल' में स्वयंसेवकों ने की थी जेल में प्रार्थना

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा

राष्ट्रबाण

नागपुर. सत्तारूढ़ भाजपा कांग्रेस शासन के दौरान इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री रहते लगाए गए आपातकाल की आलोचना करने का कोई मौका नहीं छोड़ रही है. इस दौरान, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने आपातकाल के दौरान जेल में आरएसएस स्वयंसेवकों द्वारा की गई प्रार्थना का एक किस्सा सुनाया. संघ की प्रार्थना के ऑडियो टेप का लोकार्पण समारोह शनिवार को नागपुर के रेशमबाग स्थित डॉ. हेडगेवार स्मृति भवन में हुआ. इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मोहन भागवत ने आगे कहा, संघ की प्रार्थना संघ का सामूहिक संकल्प है. स्वयंसेवक इसे प्रतिदिन स्मरण करते हैं. व्यक्तिगत संकल्प स्वयंसेवकों की व्यक्तिगत प्रतिज्ञा है, जबकि हम सबने मिलकर जो करने का निर्णय लिया है, वह संघ की प्रार्थना में है. प्रार्थना में 'नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमि...' और अंत में 'भारत माता की जय...' है. इसमें पहले भारत माता को नमस्कार और फिर ईश्वर को नमस्कार है. प्रार्थना में भारत माता से कुछ नहीं माँगा जाता. यह केवल इस बात का उच्चारण है कि वह क्या देना चाहती हैं. हम जो माँगते हैं, वही ईश्वर से माँगते हैं. 1939 से लेकर आज तक स्वयंसेवक प्रतिदिन शाखा में प्रार्थना करते आ रहे हैं. इतने वर्षों के इस अभ्यास से इस प्रार्थना ने मंत्र की शक्ति प्राप्त कर ली है. प्रतिदिन प्रार्थना करने वाला स्वयंसेवक जानता है कि प्रार्थना से स्वयंसेवक कैसे शक्तिशाली बनता है. इसलिए, प्रार्थना करने का प्रयास स्वयंसेवक में दिखाई देता है. आपातकाल के दौरान, पुलिस ने कई लोगों को गिरफ्तार किया था. उनमें से कुछ संघ शाखा में नियमित रूप से जाते थे और कुछ अनियमित थे. नियमित लोगों में से एक पैरोल पर बाहर आया था. मैं संघ प्रचारक के रूप में उनसे मिलने गया था. उन्हें चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं थी. उन्होंने मुझे बताया कि हाल ही में वह प्रतिदिन शाखा में नहीं जा पा रहे थे. लेकिन जेल में, वह प्रतिदिन प्रार्थना कर पाते हैं.

प्रार्थना का पहला रूप भावना है, जिससे शब्द अर्थ बन जाता है...

प्रार्थना का पहला रूप भावना है. बाद में शब्द अर्थ बन जाता है, जिससे अर्थ स्पष्ट होता है और फिर भावना स्पष्ट हो जाती है. शुरुआत में, मराठी और हिंदी प्रार्थनाएँ होती थीं. लेकिन चूँकि संस्कृत पूरे भारत में बोली जाने वाली भाषा है, इसलिए प्रार्थना की रचना संस्कृत में करने का विचार आया. उस समय, जिस भावना से हम मराठी-हिंदी प्रार्थना करते हैं, उस पर चर्चा हुई. उस भावना को शब्दों में पिरोने की ज़रूरत थी. इसके लिए भिड़े मास्टर को एक संदेश भेजा गया. भिड़े मास्टर संघ के स्वयंसेवक और संस्कृत के विद्वान थे. भागवत ने भी कहा कि उन्होंने उस भावना को शब्दों में पिरोया और इसी वजह से प्रार्थना की रचना संस्कृत में हुई. पश्चिम बंगाल का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि प्रार्थना दिलों को जोड़ती है.

नियुक्ती — प्रभार देते समय भी नियमों के उल्लंघन का आरोप

एमपीएससी सचिव पद के लिए लॉबिंग हुई तेज ?

राष्ट्रबाण

नागपुर. महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग की सचिव डॉ. सुवर्णा खरात का तबादला कर दिया गया है. इसके बाद, यह पद मुंबई उपनगरीय ज़िला कलेक्टर सौरभ कटियार को सौंप दिया गया है. मुख्य अतिरिक्त सचिव वी. राधा ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं और स्थायी सचिव मिलने तक सौरभ कटियार सचिव पद का अतिरिक्त कार्यभार संभालेंगे. हालाँकि, आरोप हैं कि सचिव पद का प्रभार देते समय सरकारी आदेश का उल्लंघन किया गया. सामाजिक कार्यकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया है कि कुछ अधिकारी नियमित सचिव की नियुक्ति के लिए मंत्रालय में पैरवी कर रहे हैं.

एमपीएससी की बिगड़ी हुई कार्यप्रणाली को सुधारने के लिए विशेषज्ञ सदस्य उपलब्ध कराने की मांग की जा रही है. महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा 2025 परीक्षा की तिथि हाल ही में बदली गई है. बाढ़ की स्थिति के कारण यह परीक्षा स्थगित कर दी गई थी. हालाँकि, इसके बाद एमपीएससी में सचिव पद को लेकर विवाद फिर से सामने आ गया है. आरोप हैं कि कई लोग सचिव पद पर नियुक्ति के लिए पैरवी कर रहे हैं.

क्या हैं आरोप?

सामाजिक कार्यकर्ता और आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी विजय कुंभार ने ट्विटर के ज़रिए एमपीएससी के सचिव पद की नियुक्ति पर टिप्पणी की है. महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग के सचिव पद की नियुक्ति की प्रक्रिया अभी चल रही है. ऐसी खबरें हैं कि इस पद के लिए अभी लॉबिंग चल रही है. लेकिन एक विशेषज्ञ और अनुभवी व्यक्ति की नियुक्ति आवश्यक है जो संगठन के सभी कामकाज से वाकिफ हो. आज तक का अनुभव यही रहा है कि लॉबिंग के ज़रिए आने वाले लोग संगठन की प्रतिष्ठा को धूमिल करते हैं. इसलिए सरकार को इस पद पर किसी सिविल सेवक या संगठन से ही किसी सक्षम व्यक्ति की नियुक्ति करनी चाहिए, ताकि लोक सेवा आयोग की प्रतिष्ठा बनी रहे, ऐसा उन्होंने कहा है.

सचिव पद का प्रभार देते समय क्या नियम हैं?

- किसी भी सरकारी कार्यालय में एक अधिकारी का प्रभाव दूसरे को हस्तांतरित करने के लिए सितंबर 2018 में एक सरकारी निर्णय लिया गया था.
- इसमें विस्तृत जानकारी दी गई है, हालाँकि, यह आरोप लगाया गया है कि एमपीएससी के सचिव पद का प्रभार देते समय इस नियम की अनदेखी की गई. महाराष्ट्र सिविल सेवा (वेतन) नियम, 1981 के नियम 56 के अनुसार, एक सरकारी कर्मचारी को अपने पद के अलावा एक अन्य पद का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता है.
- ऐसे दूसरे रिक्त पद का अतिरिक्त प्रभार, उसी प्रशासनिक विभाग के अंतर्गत, प्रशासनिक सुविधा एवं तात्कालिकता को ध्यान में रखते हुए, उसी कार्यालय एवं संवर्ग के सबसे वरिष्ठ, अनुभवी एवं कुशल अधिकारी/कर्मचारी को दिया जाना चाहिए.
- जहाँ ऐसे अधिकारी/कर्मचारी उपलब्ध न हों, वहाँ संबंधित पद के निकटवर्ती निम्न संवर्ग के वरिष्ठतम अधिकारी/कर्मचारी को अतिरिक्त प्रभार दिया जाना चाहिए. इस नियम के बावजूद, आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों की उपेक्षा करते हुए सचिव पद का प्रभार जिलाधिकारी सौरभ कटियार को दिया गया है.

जब कलमना पुलिस ने भरे सड़कों पर गड्ढे

नागपुर. नागपुर में सड़क सुरक्षा और सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए क़लमना पुलिस ने एक अनोखी पहल की है. महानगरपालिका की जिम्मेदारी मानी जाने वाली सड़क मरम्मत का काम इस बार क़लमना पुलिस स्टेशन के स्टाफ ने खुद अपने हाथों से किया. जानकारी के अनुसार, पुरानी कामठी रोड पर बने पुल के सामने गहरे गड्ढे बन गए थे. लगातार हो रही बारिश के कारण इन गड्ढों में पानी भर जाता था और राहगीरों को ये गड्ढे दिखाई नहीं देते थे. परिणामस्वरूप आए दिन दुर्घटनाएँ हो रही थीं और यातायात बाधित हो रहा था. इस स्थिति को देखते हुए क़लमना पुलिस के जवानों ने खुद सड़क पर उतरकर इन गड्ढों को भरने का काम शुरू किया. पुलिसकर्मियों ने मिट्टी, गिट्टी और रेत मंगवाकर इन गढ्ढों को भर दिया, जिससे वाहन चालकों को राहत मिली और यातायात सुचारू हो गया.

दिव्यांगता जांच एवं निदान शिविर सफल

दिव्यांगों के लिए यूडीआईडी कार्ड बनाने हेतु नगर निगम की विशेष पहल

राष्ट्रबाण

नागपुर. नागपुर नगर निगम द्वारा किए गए दिव्यांगता सर्वेक्षण में यह पाया गया है कि कई दिव्यांगों के पास यूडीआईडी कार्ड नहीं हैं. ऐसे दिव्यांगों के लिए यूडीआईडी कार्ड बनाने हेतु, नगर निगम के स्वास्थ्य एवं सामाजिक विकास विभाग द्वारा शासकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के सहयोग से एक विशेष दिव्यांगता जांच एवं निदान शिविर का आयोजन किया गया है. 9 अक्टूबर तक चलने वाले इस शिविर को शहरवासियों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है. नगर निगम ने दिव्यांगजन भाइयों से बड़ी संख्या में इस शिविर का लाभ उठाने की अपील की है.

दिव्यांगता सर्वेक्षण में यूडीआईडी कार्ड से वंचित पाए गए अस्थि रोग श्रेणी के दिव्यांगों के लिए यह शिविर 22 सितंबर से 9 अक्टूबर, 2025 तक शासकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर के पेइंग वार्ड में आयोजित किया गया है. अब तक इस शिविर में 361 दिव्यांगों की जांच की जा चुकी है और उनके यूडीआईडी कार्ड बनाए जा चुके हैं. महानगरपालिका की आशा कार्यकर्ताओं द्वारा जोनवार किए गए सर्वेक्षण के अनुसार, शहर में कुल 70 हजार 884 से अधिक संभावित दिव्यांगजन हैं. इनमें से 24 हजार 638 दिव्यांगजन की श्रेणी में हैं और इनमें से 9476 दिव्यांगजनों के पास यूडीआईडी कार्ड हैं. जबकि 15 हजार 162 दिव्यांगजनों के पास यूडीआईडी कार्ड नहीं हैं. इन सभी संभावित दिव्यांगजनों की जांच करने और उन्हें यूडीआईडी कार्ड प्रदान करने के लिए, नागपुर महानगरपालिका चरणबद्ध तरीके से दिव्यांगता जांच और निदान शिविर का आयोजन करेगी. पहले चरण में, 50 वर्ष से कम आयु के संभावित दिव्यांगजनों की जांच और निदान करने और उन्हें यूडीआईडी कार्ड के लिए प्रक्रिया करने के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल परिसर के पेइंग वार्ड में यह विशेष शिविर आयोजित किया जा रहा है. महानगरपालिका आयुक्त और प्रशासक डॉ. अभिजीत चौधरी के निर्देशानुसार, अतिरिक्त आयुक्त वसुमना पंत, अतिरिक्त आयुक्त वैष्णवी बी. के मार्गदर्शन और उपायुक्त डॉ. रंजना लाडे और चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दीपक सेलोकर के मार्गदर्शन में शिविर का आयोजन किया जा रहा है. राज गजभिये के मार्गदर्शन में अधीक्षक डॉ. अविनाश गावंडे, डॉ. स्नेहल शंभरकर और उनकी पूरी टीम तथा जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र परियोजना समन्वयक अभिजीत राउत का सहयोग मिल रहा है.

> दिव्यांग भाई-बहनों की सुविधा के लिए नगर निगम द्वारा शिविर के बारे में एसएमएस भेजे जा रहे हैं. इसके अलावा, अतिरिक्त चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरेंद्र बहिरवार के नेतृत्व में नगर निगम स्वास्थ्य विभाग की टीम संभावित दिव्यांगों को फोन कर उन्हें एक निश्चित तिथि पर उपस्थित होने की सूचना दे रही है. इसके अलावा, टीम द्वारा सभी आवश्यक सहयोग भी प्रदान किया जा रहा है.सभी विभागों के समन्वय से शुरू किए जा रहे इस शिविर को संभावित दिव्यांगों से भी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है. 22 से 26 सितंबर 2025 तक 5 दिनों के दौरान, 361 दिव्यांगों की जांच की गई और यूडीआईडी कार्ड के लिए पंजीकरण किया गया यह शिविर 9 अक्टूबर तक, शनिवार, रविवार और छुट्टियों को छोड़कर, सुबह 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक जारी रहेगा.
> -शांतनु अग्रवाल

विदर्भ में कपास की तुड़ाई टली, किसानों की बढ़ी चिंता

बारिश से प्रभावित, दिवाली से पहले बाज़ार तक नहीं पहुँच पाएगी फसल

राष्ट्रबाण

नागपुर. विदर्भ के कपास उत्पादक जिलों में इस वर्ष किसानों को एक नई परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. लगातार हो रही अनियमित बारिश और मौसम में अस्थिरता के कारण कपास के बॉल बनने की प्रक्रिया बाधित हो गई है. इसका सीधा असर तुड़ाई पर पड़ा है और किसानों को अब फसल कटाई में देरी करनी पड़ रही है.कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि सामान्यतः सितम्बर के अंतिम सप्ताह से ही कपास की तुड़ाई शुरू हो जाती है और किसान दिवाली से पहले मंडियों में अपना उत्पादन बेचकर आर्थिक रूप से राहत महसूस करते हैं. लेकिन इस बार परिस्थितियाँ उलट हैं. बारिश से खेतों में नमी अधिक बनी हुई है, जिससे बॉल पूरी तरह नहीं पक पाए. फलस्वरूप तुड़ाई का काम अक्टूबर के अंत तक खिसक सकता है.

> अमरावती संभाग के कई किसानों ने बताया कि इस देरी से उनकी आर्थिक योजनाएँ बिगड़ रही हैं. दिवाली से पहले बाज़ार में कपास लाने पर उन्हें बेहतर दाम मिलते हैं, लेकिन इस साल देर से आई फसल से उन्हें लाभ की संभावना कम होती दिख रही है.किसानों का कहना है कि कृषि लागत लगातार बढ़ रही है और बिजली, बीज, खाद-कीटनाशक पर पहले से ही अधिक खर्च करना पड़ता है. ऐसे में फसल की तुड़ाई और बिक्री में देरी से उनकी आर्थिक स्थिति और कमजोर हो सकती है.
> -शांतनु अग्रवाल

कृषि विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे जल्दबाजी में तुड़ाई न करें और पूरी तरह से परिपक्व बॉल बनने का इंतजार करें. विशेषज्ञों के अनुसार, अधपकी फसल तोड़ने से कपास की गुणवत्ता पर असर पड़ सकता है और बाज़ार में अच्छे दाम नहीं मिलेंगे. विदर्भ में कपास किसानों की हालत पहले से ही नाजुक है. ऐसे में इस सीजन में हुई देरी उनकी मुश्किलों को और बढ़ाने वाली साबित हो सकती है.

फास्ट ट्रॅक

प्रेम के बहाने नाबालिग को देह व्यवसाय के लिए मजबूर करने का आरोप

राष्ट्रबाण

नागपुर.प्रेम के बहाने नाबालिग लड़कियों के साथ धोखाधड़ी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं. ऐसा ही एक चौंका देने वाला मामला लकड़गंज की बदनाम बस्ती गंगा जमुना में सामने आया है. यहाँ एक नाबालिग लड़की को प्रेम के झांसे में फंसाकर उसे राजस्थान से नागपुर लाया गया और यहां पर देह व्यवसाय के लिए मजबूर करते हुए शहर की बदनाम गंगा जमुना बस्ती में उसे बेचने का प्रयास किया गया. हालांकि पुलिस की सतर्कता के चलते इस युवक इस युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके कब्जे से नाबालिग को भी छुड़वाया गया है. नागपुर शहर की बदनाम बस्ती गंगा-जमुना में यह मामला सामने आए है. दरअसल इस परिसर में एक 17 वर्षीय नाबालिग एक युवक के साथ संदिग्ध रूप में घूमते हुए पुलिस को दिखाई दी थी. जब इन दोनों को हिरासत में लेकर गंगा जमुना चौकी ले जाकर पूछताछ की गई तो धक्का दायक जानकारी सामने आई. राजस्थान के बूंदी जिले से एक 17 वर्षीय नाबालिग बच्ची को शुभम मोनिरीया झंजावत नामक युवक अपने प्रेम जाल में फंसा कर बहला फुसला कर अपने साथ नागपुर लेकर आया था.

काटेपूर्णा बांध के खोले गए 2 गेट

छोड़ा गया 102.33 क्यूमेक्स पानी

राष्ट्रबाण

अकोला.काटेपूर्णा बांध के जलग्रहण क्षेत्र में 25 सितंबर की रात हुई भारी बारिश के कारण, 26 सितंबर की सुबह 6:30 बजे बांध के दो गेट 60-60 सेंटीमीटर की ऊँचाई पर खोल दिए गए. इन दोनों गेटों से लगभग 102.33 क्यूमेक्स पानी नदी तल में छोड़ा गया.

सूत्रों ने बताया कि जलग्रहण क्षेत्र से पानी की आवक के साथ-साथ येवा और काटा कोंडाला नदियों के प्रवाह को ध्यान में रखते हुए, आवश्यकतानुसार पानी छोड़ने की मात्रा में बदलाव किया जाएगा. पानी छोड़ना शुरू होने पर बांध में 99.65 प्रतिशत जल संग्रहण था.

> कार्यपालक अभियंता चिन्मय वाकोडे और उपविभागीय अधिकारी आदित्य कासर के मार्गदर्शन में शाखा अभियंता संदीप नेमाड़े और कर्तव्यनिष्ठ कर्मचारी मनोज पाठक द्वारा बांध में बढ़ते जल संग्रहण पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है और पानी छोड़ने की योजना सुचारू रूप से बनाई जा रही है.

नदी किनारे बसे गांवों के नागरिकों को चेतावनी दी गई है और पानी छोड़ने के दौरान नदी में प्रवेश या पार करना सख्त मना है. इससे पहले 20 सितंबर को बांध के दो गेटों से पानी छोड़ा गया था. छह दिन बाद, 26 सितंबर को सुबह 6:30 बजे गेट फिर से खोल दिए गए.

संतरे की गुणवत्ता सुधारने, नर्सरी कानूनों में बदलाव की मांग

नितिन गडकरी ने किया प्रस्ताव , बीमारियों से मुक्त पौध तैयार करने पर जोर

राष्ट्रबाण

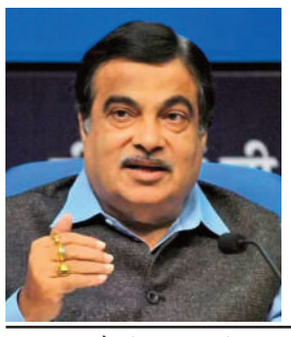

नागपुर.विदर्भ के संतरा उत्पादक किसानों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा दिलाने के लिए अब नर्सरी कानूनों में बदलाव की मांग जोर पकड़ रही है. केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में इस विषय पर पहल करते हुए महाराष्ट्र सरकार और कृषि विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर नया ढांचा तैयार करने की आवश्यकता बताई है.

यदि नर्सरी कानूनों में सुधार किया जाता है और गुणवत्ता नियंत्रण की मजबूत व्यवस्था बनाई जाती है, तो किसानों को स्वस्थ पौध उपलब्ध होगी और उत्पादन भी लंबे समय तक टिकाऊ रहेगा. विदर्भ क्षेत्र में संतरे को ऑरेंज सिटी की पहचान माना जाता है. लेकिन पिछले कुछ वर्षों में लगातार बीमारियों और कमजोर पौधों के चलते संतरे की गुणवत्ता और उत्पादन दोनों में गिरावट देखी गई है. किसानों का कहना है कि यदि सरकार गडकरी के प्रस्ताव को लागू करती है और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से नर्सरी कानूनों को सुधारती है, तो यह विदर्भ के संतरा उत्पादकों के लिए एक बड़ी राहत साबित होगी.

कृषि विभाग ने भी माना है कि पौध की गुणवत्ता सुधारना समय की मांग है. यदि बीमारियों से मुक्त और प्रमाणित पौध किसानों तक पहुंचे, तो संतरा उत्पादन को फिर से वैश्विक बाजार में मजबूती मिल सकती है.

> गडकरी ने कहा कि संतरे की खेती में सबसे बड़ी समस्या पौधों की गुणवत्ता और उनमें फैलने वाली बीमारियाँ हैं. वर्तमान नर्सरी अधिनियम में कई तकनीकी और संरचनात्मक कमियाँ हैं, जिसके चलते किसानों तक उच्च गुणवत्ता वाली और रोग-मुक्त पौध उपलब्ध नहीं हो पाती. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि स्पेन और इज़रायल जैसे देशों की आधुनिक तकनीक और प्रबंधन प्रणाली को भारत में लागू किया जाए, तो संतरे का उत्पादन और निर्यात क्षमता कई गुना बढ़ सकती है.कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि संतरा उद्योग को स्थायी आधार देने के लिए बीज से लेकर पौध तैयार करने तक की पूरी प्रक्रिया को वैज्ञानिक ढंग से नियंत्रित करना होगा.
> -शांतनु अग्रवाल

नंदनवन में गेमिंग कैफ़े में चोरी

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई चोरी की वारदात

राष्ट्रबाण

नागपुर. नागपुर के नंदनवन इलाके में एक चोरी की वारदात सामने आई है. नेहरू नगर स्थित 'गेमिंग कैफे' में अज्ञात चोर ने बीती रात दुकान से करीब 3 लाख रुपये के सामान को चोरी कर लिया. दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी आरोपी कैद हुआ जिसके आधार पर ही पुलिस उसकी तलाश कर रही है. मिली जानकारी के अनुसार, साकोली निवासी ऋषि चंद्रशेखर गुप्ता की नेहरू नगर में गेमिंग कैफ़े'नाम से दुकान है. बीती रात वह अपनी दुकान बंद कर घर चले गए थे. रात के समय अज्ञात चोर ने शटर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया. और प्लेस्टेशन में रखें कंट्रोलर, सीपीयू, प्रोसेसर, रैम, हार्डडिस्क, ग्राफिक कार्ड समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान चोरी कर लिया. चोरी गए माल की कीमत करीब 3 लाख रुपये बताई जा रही है.फिर्यादी की शिकायत पर नंदनवन पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है. हालांकि जांच के दौरान ही पुलिस को दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में आरोपी दिखाई दिया है .

मेट्रो ट्रैक पर रोमांचित होते वन्यजीव

'ट्रांजिट ट्रीटमेंट' के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं

राष्ट्रबाण

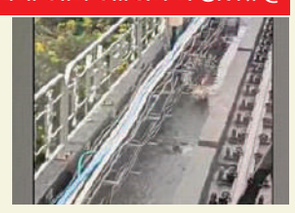

नागपुर.उप-राजधानी में जंगली जानवरों का आना लगातार बढ़ रहा है. हिरण, नीलगाय, मोर और तेंदुओं के साथ-साथ ये भी शहर में घुस आए हैं. हालाँकि, हर बार ट्रांजिट ट्रीटमेंट सेंटर के कर्मचारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर बिना किसी संघर्ष के जंगली जानवरों का 'रेस्क्यू ऑपरेशन' चलाया है. हालाँकि, अब जंगली जानवर ने मेट्रो ट्रैक पर ही डेरा डाल लिया है. इतना ही नहीं, उसने मेट्रो कर्मचारियों से बचने के लिए कई बार कोशिश भी की है. हालाँकि, इस बार भी क्षेत्रीय वन विभाग के अधिकार क्षेत्र में आने वाले सेमिनरी हिल्स के ट्रांजिट ट्रीटमेंट सेंटर के कर्मचारियों ने सचमुच अपनी जान जोखिम में डालकर इस जानवर को पकड़ लिया. इससे पहले, मेट्रो के तारों में फंसे एक तोते को 'रेस्क्यू' किया गया था.शनिवार, 27 सितंबर को मेट्रो प्रशासन ने ट्रांजिट ट्रीटमेंट सेंटर को फोन किया. उन्होंने केंद्र को सूचित किया कि कांग्रेस नगर और अजनी मेट्रो स्टेशनों के बीच मेट्रो ट्रैक पर एक काँटेदार जंगली जानवर, सायल, दौड़ रहा है. इस समय, केंद्रीय वनपाल सुधाकर मरस्कोल्हे, बंडू मगर, चेतन बारस्कर और चालक स्वप्निल भूरे की बचाव टीम तुरंत तैयार मेट्रो स्टेशन पर गई. मेट्रो कर्मचारी दिलेश मेश्राम उनके साथ थे.कांटेदार जंगली जानवर को पकड़ने का रोमांच शुरू हुआ. कभी मेट्रो में बैठकर, मेट्रो को ट्रैक पर आधे रास्ते में रोककर कांटेदार जानवर के पीछे दौड़ते, तो कभी मेट्रो उसका पीछा करती. यह अभियान कांग्रेस नगर और अजनी स्टेशनों के बीच लगभग एक घंटे तक चला. बारिश ने इसमें मुश्किलें पैदा कीं.

लगातार बारिश से सब्जी मंडी में सब्जियों की आवक हुई धीमी

पत्तेदार सब्जियों के भाव 100 से 160 रुपये प्रति किलो

राष्ट्रबाण

नागपुर.पत्तेदार सब्जियाँ ज़्यादा गर्मी और बारिश बर्दाश्त नहीं कर पातीं, इसलिए इनके विक्रेताओं को खास ध्यान रखना पड़ता है. हालाँकि, इस साल लगातार हो रही बारिश के कारण त्योहारी सीज़न में सब्जी मंडी में अच्छी क्वालिटी की पत्तेदार सब्ज़ियाँ मिलना मुश्किल हो गया है.

बारिश के कारण पत्तेदार सब्ज़ियाँ खेतों में ही गिर रही हैं. इसलिए, जो पत्तेदार सब्ज़ियाँ थोड़ी-बहुत अच्छी हालत में हैं और उनकी गुणवत्ता भी बहुत अच्छी नहीं है, उन्हें ही बाज़ार में बिक्री के लिए लाया जा रहा है. फिर भी, पालक, धनिया, मेथी, चौलाई और अंबाडी जैसी सब्ज़ियों के दाम 100 से 160 रुपये प्रति किलो तक पहुँच गए हैं. एक समय तो अगर सब्ज़ियों की गुणवत्ता अच्छी हो, तो दाम 170 रुपये प्रति किलो तक पहुँच जा रहे हैं.

पालक और धनिया तो साल भर उपलब्ध रहते हैं, लेकिन पालक, मेथी, लाल भाजी, सोया,चौलाई जैसी पत्तेदार सब्ज़ियाँ आमतौर पर सितंबर और अक्टूबर से मिलनी शुरू होती हैं. इसलिए ये सब हाल ही में बाज़ार में आई हैं. पत्तेदार सब्जी विक्रेताओं के अनुसार, बारिश के कारण बाज़ार में कुछ हद तक अच्छी स्थिति में उपलब्ध सब्ज़ियों के दाम बढ़ गए हैं.

> आजकल त्योहारों का मौसम चल रहा है और बड़े मंदिरों में भक्तों को हर दिन महाप्रसाद दिया जाता है. इसके लिए हर दिन धनिया और कुछ पत्तेदार सब्जियों की ज़रूरत होती है. इस वजह से पत्तेदार सब्जियों की माँग बढ़ गई है. हालाँकि, लगातार हो रही बारिश के कारण अच्छी गुणवत्ता वाली पत्तेदार सब्जियाँ नहीं मिल पा रही हैं. थोक बाज़ार में भी आवक कम हो गई है. धनिया थोड़ा पीला पड़ रहा है. हरा धनिया अपनी क़ीमत खो रहा है. यही हाल दूसरी पत्तेदार सब्जियों का भी है.

बिजली गिरने से चाचा-भतीजे की मौत

17 वर्षीय किशोर गंभीर रूप से घायल

राष्ट्रबाण

वर्धा.वर्धा जिले की हिंगणघाट तहसील में एक दुखद घटना में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया. यह घटना सोनेगांव-अल्लीपुर मार्ग पर धोत्रा चौराहे पर हुई. भिवापुर निवासी अनिल ठाकरे अपने सत्रह वर्षीय बेटे वेदांत ठाकरे और भतीजे सौरभ ठाकरे के साथ दोपहिया वाहन से अपने गाँव लौट रहे थे. सड़क पर बिजली गिरने के साथ ही तेज़ बारिश शुरू हो गई. तीनों बारिश और बिजली से बचने के लिए धोत्रा चौराहे पर एक पेड़ के नीचे रुक गए थे. हालाँकि, समय का सदुपयोग हुआ और अचानक बिजली उन पर गिर पड़ी. इस भीषण दुर्घटना में चाचा अनिल ठाकरे और भतीजे सौरभ ठाकरे की मौके पर ही मौत हो गई. जबकि उनका बेटा वेदांत ठाकरे गंभीर रूप से घायल है.गंभीर रूप से घायल वेदांत ठाकरे को तुरंत हिंगणघाट उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है. उनका इलाज चल रहा है और बताया जा रहा है कि वे ज़िंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं.

तुरंत करें सोयाबीन,संतरे का पंचनामा: बावनकुले

राष्ट्रबाण

अमरावती. जिला परिषद सभागृह में विभिन्न मुद्दों पर समीक्षा बैठक हुई. इस दौरान पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने निर्देश दिया कि पिछले कुछ दिनों में जिले में जगह-जगह हुई बारिश से कृषि फसलों को भारी नुकसान हुआ है. लगातार बारिश के कारण अनुकूल वातावरण न मिलने से व्यापक नुकसान हुआ है. ऐसे में सरकार किसानों की मदद के लिए सोयाबीन, कपास और संतरे की फसलों का तुरंत पंचनामा करें.

जिले में पिछले कुछ दिनों से हो रही बारिश से फसलों को नुकसान हुआ है. इसलिए प्रभावित किसान सरकार से मदद की उम्मीद कर रहे हैं. जनप्रतिनिधियों ने इस संबंध में पालकमंत्री के समक्ष अपनी अपेक्षाएँ व्यक्त कीं. सरकारी नियमों के अनुसार, जिन क्षेत्रों में किसी मंडल में 65 मिलीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गई है या जहाँ बाढ़ की स्थिति बनी है, वहाँ फसलों के नुकसान का आकलन करने के लिए पंचनामा किया जाता है. हालाँकि, सितंबर महीने में लगातार हो रही बारिश के कारण फसलें पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं. इसलिए, तुरंत पंचनामा किया जाना चाहिए. इसके लिए कृषि विभाग और राजस्व विभाग को भी तत्काल कदम उठाने चाहिए.

पुराने जल संरक्षण बांधों को पुनर्जीवित करने के प्रयास किए जाने चाहिए. लाड़की बहिण योजना में नाम न होने के कारण कई महिलाओं को मिलने वाली सहायता राशि रुक गई है. इस संबंध में, अपात्र महिलाओं की सूची जनप्रतिनिधियों को तत्काल उपलब्ध कराई जानी चाहिए. इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी महापात्रा ने जिला परिषद द्वारा कार्यान्वित की जा रही विभिन्न गतिविधियों का प्रस्तुतीकरण दिया.साथ ही, जल स्तर बढ़ाने के लिए जल संरक्षण कार्य को बेहतर ढंग से करने पर ज़ोर दिया जाना चाहिए. जिले में झीलों की मरम्मत के लिए धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी.

> दिवाली से पहले किसानों की मदद के लिए आगामी कैबिनेट बैठक में निर्णय लिया जाएगा. मुआवजे के लिए 108 करोड़ रुपये का फंड उपलब्ध कराया गया है. इसके लिए सूचियाँ तुरंत अपलोड की जाएँ. सरकार ने बेघरों को घर उपलब्ध कराने का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम शुरू किया है. इस संबंध में, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए और पूरे जिले में पचास हज़ार प्लॉट वितरित करने का लक्ष्य रखा जाना चाहिए.

सहायता कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने कृषि मंत्री को पत्र लिखकर की मांग

'सोयाबीन किसानों को 50 हज़ार रुपये दें '

राष्ट्रबाण

यवतमाल. विदर्भ में सोयाबीन किसान एक के बाद एक संकटों का सामना कर रहे हैं. सोयाबीन की फसल को न केवल गारंटीशुदा दाम मिल रहा है, बल्कि किसानों के हाथ में जो फसल थी, वह भी पीले मोजेक रोग के कारण नष्ट हो गई है. कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने मांग की है कि सरकार सोयाबीन किसानों को प्रति हेक्टेयर 50,000 रुपये की सहायता प्रदान करे.

कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने यवतमाल ज़िले की कलंब तहसील के बेलोना गाँव में खेतों का निरीक्षण किया. इस दौरान, उन्होंने पाया कि सोयाबीन की फसल बड़ी संख्या में येलो मोज़ेक रोग से प्रभावित है. वडेट्टीवार ने बताया कि इस रोग से किसानों को भारी नुकसान हुआ है और लगभग 80 प्रतिशत फलियों में बीज भी नहीं बने हैं, जबकि बचे हुए बीज इतने बारीक हैं कि किसान कटाई का खर्च वहन नहीं कर सकते.उन्होंने कहा कि इस संकट के कारण किसानों को कोई उपज नहीं मिलेगी. एक तरफ भारी बारिश हो रही है और दूसरी तरफ सरकार किसानों की अनदेखी कर रही है. वडेट्टीवार ने मांग की कि पंजाब की तर्ज पर किसानों को प्रति हेक्टेयर 50,000 रुपये की तत्काल सहायता प्रदान करना आवश्यक है.यवतमाल, वाशिम, वर्धा, चंद्रपुर जैसे कई जिलों में पीला मोजेक रोग का प्रकोप हुआ है. इसके कारण किसानों को एक क्विंटल भी आय नहीं मिलेगी, पूरे सीजन में किसानों को नुकसान होगा. कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने कृषि मंत्री को पत्र लिखकर इसकी जांच और किसानों को मदद देने की मांग की है.

पारडी में CCTV में कैद हुई दुपहिया वाहन चोरी की वारदात

राष्ट्रबाण

नागपुर.शहर में दुपहिया वाहन चोरी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं. शहर के अलग-अलग इलाकों से हर दिन चोरी की खबरें सामने आ रही हैं. इन वारदातों में वाहन मालिकों की लापरवाही भी कहीं न कहीं जिम्मेदार नजर आती है.ताज़ा मामला पारडी इलाके का है. यहां राम मंदिर गली नंबर 1 में बीती रात हुई चोरी की वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई. मिली जानकारी के अनुसार, दो अज्ञात चोर एक एक्टिवा स्कूटी पर सवार होकर इलाके में पहुंचे.

अतिवृष्टि और ओलावृष्टि से किसानों पर दोहरी मार

'गीला सूखा' घोषित करने की मांग

राष्ट्रबाण

नागपुर. पिछले कुछ दिनों से राज्य में हो रही भारी बारिश और ओलावृष्टि (गारपीट) ने कामठी सहित पूरे जिले में खड़ी फसलों को भारी नुकसान पहुँचाया है. पिकों की बुवाई और देखरेख में बड़ा खर्च करने के बाद बारिश ने फिर ज़ोरदार दस्तक दी, जिससे किसान गहरे संकट में घिर गए हैं.इस वर्ष अत्यधिक वर्षा ने किसानों को बुरी तरह थका दिया है और उनके मुँह तक आया निवाला छीन लिया है.

संकट में घिरे किसानों ने अब सरकार से तत्काल मदद की गुहार लगाई है. किसानों ने मांग की है कि इस गंभीर क्षति के मद्देनज़र, तुरंत पंचनामा (सर्वेक्षण) करके नुकसान की भरपाई की जाए और पूरे क्षेत्र को 'गीला सूखा' (ओला दुष्काळ) घोषित किया जाए. किसानों ने बेहद भावुक होते हुए अपनी वेदना व्यक्त की है. उनका कहना है कि यदि माई-बाप सरकार ने इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया, तो किसानों पर भुखमरी की नौबत आ जाएगी और उनके पास आत्महत्या करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा. इसलिए, सरकार को तुरंत संवेदनशील होकर कार्यवाही करनी चाहिए.

फसलों की बर्बादी का मंजर

- **सोयाबीन:** लगातार पानी भरे रहने के कारण सोयाबीन की फसल पूरी तरह से पानी में डूब गई है. नतीजतन, पौधों पर लगी फलियाँ (शेंगा) सड़कर गिरने लगी हैं, जिससे किसानों का नुकसान लगभग तय हो गया है.
- **कपास और अरहर:** ओलावृष्टि (गारपीट) इतनी तेज़ थी कि कपास, अरहर और अन्य सब्जियों की फसलें ज़मीन पर बिछ गईं (लेट गईं).

राष्ट्रबाण
विदर्भ VISION
।। धर्मो रक्षति रक्षितः ।।

तापमानः नागपुर, अधिकतम 28.6°C न्यूनतम 24.°C

नागपुर, रविवार 28 सितम्बर 2025

किसानों की आत्महत्याओं में वृद्धि

बेमौसमी बारिश से फसलों को भारी नुकसान

राष्ट्रबाण

नागपुर. महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में बेमौसमी बारिश और ओलावृष्टि के कारण कृषि संकट गहरा गया है. अकोला, वर्धा, यवतमाल, अकोला, बुलढाणा, वाशिम और यवतमाल जैसे जिलों में भारी बारिश से कपास, सोयाबीन और मक्का जैसी प्रमुख फसलों को नुकसान हुआ है. कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, ओलावृष्टि और लगातार बारिश से फसलों की गुणवत्ता में गिरावट आई है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति और भी खराब हो गई है.

कृषि संकट के कारण किसानों की आत्महत्याओं में भी वृद्धि हुई है. महाराष्ट्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार, 2025 की पहली तिमाही में राज्य में 767 किसानों ने आत्महत्या की, जिनमें से अधिकांश मामले विदर्भ क्षेत्र से थे. इनमें से 257 आत्महत्याएँ पश्चिमी विदर्भ के यवतमाल, अमरावती, अकोला, बुलढाणा और वाशिम जिलों से थीं. कृषि संकट और प्रशासनिक लापरवाही के कारण किसानों में निराशा बढ़ रही है. कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि बेमौसमी बारिश और ओलावृष्टि के कारण फसलों की बुवाई और कटाई में देरी हो रही है, जिससे किसानों की आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है. इसके अलावा, फसल बीमा योजनाओं की कमी और वित्तीय सहायता की देरी भी किसानों की समस्याओं को बढ़ा रही है. कृषि संकट के समाधान के लिए सरकार को शीघ्र प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है. किसानों को त्वरित वित्तीय सहायता, फसल बीमा योजनाओं का विस्तार और कृषि संकट के लिए विशेष राहत पैकेज की आवश्यकता है. इसके साथ ही, प्रशासनिक लापरवाही के खिलाफ सख्त कार्रवाई और किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए. कृषि संकट और किसानों की आत्महत्याओं की बढ़ती संख्या सरकार और समाज दोनों के लिए चिंता का विषय है. यह समय है जब सभी को मिलकर इस संकट से उबरने के लिए प्रयास करने होंगे.

-शांतनु अग्रवाल

जिले में लगातार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

राष्ट्रबाण

वाशिम. मौसम विभाग द्वारा दी गई चेतावनी के अनुसार, विदर्भ में अगले 4 दिनों तक बारिश का दौर जारी रहेगा. विदर्भ के कुछ जिलों में हल्की और कुछ स्थानों पर भारी बारिश होगी. इसके अनुसार, वाशिम जिले में पिछले 2 दिनों से भारी बारिश हो रही है और कई स्थानों पर लगातार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है.

ग्रामीण क्षेत्रों में नदी-नाले उफान पर बहने लगे हैं. कुछ स्थानों पर सड़कों पर जलभराव के कारण यातायात बाधित हुआ है और खेतों में पानी घुसने से फसलों को बड़े पैमाने पर नुकसान होने की आशंका है. इस बारिश के कारण कपास, सोयाबीन, उड़द, मूंग, अरहर की फसलों के खेतों में पानी जमा हो गया है. किसान, जो पहले से ही बारिश की वापसी को लेकर चिंतित थे, अब लगातार बारिश के कारण दहशत में हैं. जिले में कई जगहों पर खेतों में बने बांध टूट गए हैं और फसलें पानी में डूब गई हैं. यह बारिश परिवहन में भी बाधा उत्पन्न कर रही है. जिले की प्रमुख सड़कों पर जलभराव के कारण यातायात बाधित हो गया है. ग्रामीण क्षेत्रों के कई गाँवों का संपर्क अस्थायी रूप से टूट गया है. कुछ पुलों के ऊपर से पानी बह रहा है, जिससे नागरिकों की जान को खतरा है. गाँवों में घरों में पानी घुसने से नागरिक परेशान हैं. कुछ स्थानों पर अस्थायी बिजली आपूर्ति भी बाधित हुई है और नागरिक अंधेरे से जूझ रहे हैं.

प्रशासन अलर्ट

जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन विभाग ने अलर्ट जारी किया है. प्रशासन ने नागरिकों से नदी-नालों के पास जाने से बचने का अनुरोध किया है. इस बीच, आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए टीमें तैयार रखी गई हैं.

फास्ट ट्रैक

बच्चों के लिए एक बड़ी कामयाबी!

राष्ट्रबाण

बुलढाणा. सह्याद्रि की बीहड़ भूमि के लिए प्रसिद्ध महाराष्ट्र की सबसे ऊँची चोटी, कलसुबाई चोटी है. यहाँ पैर रखने से पहले, यानी चोटी पर चढ़ने से पहले, बड़े-बड़े उत्साही लोग भी दस बार सोचते हैं. लेकिन बुलढाणा जिले के परदा (मोटाला तालुका) गाँव के एक-दो नहीं, बल्कि 18 छात्र इस चोटी पर चढ़ने में कामयाब रहे.परदा स्थित चेतना विकास विद्यालय के कक्षा 6, 7 और 8 के 18 छात्र, जिनकी उम्र मात्र 12 से 14 वर्ष थी, मूसलाधार बारिश में 5400 फीट ऊँची इस चोटी पर चढ़ गए. इस चुनौतीपूर्ण अभियान में विद्यालय के आठ शिक्षकों ने भी भाग लिया. इस शैक्षिक यात्रा का मार्गदर्शन महाराष्ट्र के प्रसिद्ध पर्वतारोही, पक्षी प्रेमी और प्रकृति फोटोग्राफर राजपाल सिंह राजपूत ने किया. खास बात यह रही कि ग्रामीण क्षेत्रों से आए मेहनती और लगनशील छात्रों ने इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान अपना खाना भी खुद बनाया. कंप्यूटर और सूचना नेटवर्क के मौजूदा दौर में हम एक पीढ़ी को टीवी, मोबाइल, कार्टून और वीडियो गेम में उलझे हुए देखते हैं. खेल के मैदान और मैदान वीरान हो गए हैं और छात्र खेलों को नजरअंदाज कर रहे हैं. हालांकि, अभिभावकों की सहमति और शिक्षकों के नेतृत्व में, बच्चे छोटी सी उम्र में ही बड़े-बड़े साहसिक कार्य करते नजर आ रहे हैं. बस उन्हें एक मौके की जरूरत है.

पातुर की रेणुका माता

भक्तों के लिए पूजा स्थल

राष्ट्रबाण

अकोला. पातुर का रेणुका माता मंदिर, जिसे 'प्रति माहुर' के नाम से जाना जाता है, विदर्भ के भक्तों के लिए पूजा स्थल है. किले पर श्री रेणुका माता के मंदिर में नवरात्रि उत्सव चल रहा है और पंचक्रोशी के साथ-साथ दर्शन के लिए विदर्भ से हजारों भक्त आ रहे हैं. अकोला जिले के पातुर शहर का बड़ा ऐतिहासिक महत्व है. रेणुका माता मंदिर के सामने पहाड़ में गुफाएं और सुरंगें हैं. वे एक समृद्ध इतिहास की गवाही देते हैं. पहले यहां एक किला भी था. पातुर की रेणुका माता को माहुर की रेणुका माता का प्रतिरूप माना जाता है. यह अकोला शहर से 30 किमी दूर है. यह 30 किमी की दूरी पर स्थित है. नवरात्रि सहित पूरे वर्ष रेणुका माता के मंदिर में भक्तों की भीड़ लगी रहती है. पातुर में मंदिर कई साल पहले बनाया गया था.

इस स्थान पर श्री कृष्ण, राम-सीता-लक्ष्मण और दत्तात्रेय के तीन मंदिरों का निर्माण किया गया था. पिछले कुछ वर्षों में, भक्तों के लिए अनेक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं.

'कोसल' में फिर मूसलाधार बारिश

राष्ट्रबाण

अकोला. अकोला और वाशिम जिले एक बार फिर भारी बारिश की चपेट में हैं. पिछले दो दिनों से इन जिलों में अचानक बाढ़ आ गई है. नदी-नाले उफान पर हैं और कुछ सड़कें भी बंद हो गई हैं. बारिश के कारण हर जगह जलभराव की स्थिति बन गई है. शनिवार दोपहर अकोला के तिलक मार्ग पर एक बड़े गड्ढे से एक व्यक्ति नाले में गिर गया. प्रशासन द्वारा खोज और बचाव अभियान जारी है. वाशिम जिले में एक पुल से बहते पानी में आते समय जानवर बह गए. इसका एक वीडियो वायरल हुआ है.मौसम विभाग ने 26 से 28 सितंबर के बीच बारिश का अनुमान जताया था. तदनुसार, पिछले दो दिनों से जिले के विभिन्न हिस्सों में बारिश हो रही है.

3 बच्चों के अपहरण से इलाके में हड़कंप

पुलिस टीम तेलंगाना रवाना

राष्ट्रबाण

यवतमाल. सालगाड़ के 3बच्चे, जो खेत में काम कर रहे थे, उन्हें अच्छी शिक्षा देने का वादा करके अगवा कर लिया गया. यह गंभीर घटना 19 सितंबर की शाम के आसपास हुई. घटना के बाद, बच्चों के पिता ने मारेगांव पुलिस स्टेशन पहुँचकर इस संबंध में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई. हालाँकि, इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है. मारेगांव पुलिस की एक टीम तेलंगाना भेजी गई है.

बोटोनी निवासी लक्ष्मण गोमा टेकाम, शिकायत करने वाले बच्चों के सौतेले पिता का नाम है. उन्होंने 23 सितंबर को मारेगांव पुलिस में शिकायत दर्ज कराई. आरोपी देवीदास अंबादास वावरे (उम्र 44), निवासी पंढरकवाड़ा, एच.एम., निशानघाट, तहसील, जिला आदिलाबाद (तेलंगाना), अपहृत बच्चों के माता-पिता से परिचित था. शिकायतकर्ता के माता-पिता एक साल पहले काम करने के लिए निशानघाट गए थे. वहीं उनकी जान-पहचान हुई थी. शिकायतकर्ता वर्तमान में मारेगांव तहसील के वडगांव में एक खेत में सालगाड़ी के रूप में रह रहा है. परिचय का फायदा उठाकर आरोपी वडगांव आया और बच्चों के माता-पिता से कहा कि मैं आपके बच्चों की अच्छी देखभाल करूंगा और उन्हें शिक्षा प्रदान करूंगा. 19 सितंबर की शाम को, वह तीनों बच्चों, अनीता (9), शंकर (6) और नानू (3) को ले गया. 20 सितंबर को, उसने शिकायतकर्ता द्वारा दिए गए फोन पर कॉल करके पूछा कि बच्चे कैसे हैं.

तब आरोपी का फोन बंद था. बार-बार कॉल करने के बाद, क्योंकि फोन काम नहीं कर रहा था, पिता बच्चों की तलाश करने के लिए तेलंगाना के निशानघाट में आरोपी के घर गए. हालाँकि, बच्चे और आरोपी वहाँ नहीं मिले. इससे शिकायतकर्ता के पैरों तले जमीन खिसक गई. तेलंगाना से लौटकर, वह मारेगांव पुलिस स्टेशन पहुँचा और शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने शिकायत पर आरोपी देवीदास वावरे के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और पुलिस बच्चों की तलाश कर रही है.

"मुख्यमंत्री को बाढ़ पीड़ितों से ज्यादा सुरजागढ़ के खदान मालिक की चिंता है"

हर्षवर्धन सपकाल ने कहा, "दिल्ली में ही रहें"

राष्ट्रबाण

बुलढाणा. महाराष्ट्र में किसान संकट में हैं. लेकिन गठबंधन सरकार सिर्फ़ नारे लगा रही है. मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री किसानों के तटबंध पर गए और तस्वीरें खिंचवाईं, लेकिन किसी मदद की घोषणा नहीं की. अब मुख्यमंत्री दिल्ली गए हैं, लेकिन बाढ़ पीड़ितों की मदद करने के बजाय, उन्होंने सुरजागढ़ लौह खदान पर चर्चा की. कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि यह बेहद निंदनीय है कि उन्हें केंद्र सरकार से किसानों के लिए कोई बड़ा पैकेज लेकर लौटना चाहिए, वरना वे यहीं रहेंगे. हर्षवर्धन सपकाल ने शुक्रवार को बुलढाणा जिले के मोटाला तालुका के कामखेड, गुलभेली, राहेरा, दाभोल टांडा नलकुंड और बुलढाणा तालुका के देउलघाट, पाडली गाँवों में भारी बारिश और बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लिया. उनके साथ ज़िला अध्यक्ष राहुल बोंद्रे और विधायक धीरज लिंगाड़े भी थे. मीडिया से बात करते हुए उन्होंने भाजपा सरकार की आलोचना की. कांग्रेस पार्टी ने ये माँगें रखी हैं: सरकार सूखाग्रस्त घोषित करे और 50,000 रुपये प्रति हेक्टेयर का मुआवज़ा दे, साथ ही कटाव से प्रभावित ज़मीन के लिए 2 लाख रुपये प्रति एकड़ का मुआवज़ा दे, रबी सीज़न के लिए मुफ़्त बीज और खाद उपलब्ध कराए और किसानों का कर्ज़ माफ़ करें. सरकार द्वारा घोषित सहायता बहुत कम है और किसानों को प्रति हेक्टेयर 3,000 रुपये भी नहीं मिलेंगे. सपकाल ने घोषणा की कि वह इस ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए 3 अक्टूबर को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन करेंगे.

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस किसी से विवादित बयान दिलवाकर इस ज्वलंत मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं. अब भिड़े के कीड़े घूम चुके हैं और यह भी किसानों के बुनियादी मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश हो सकती है. लेकिन किसने कहा कि भिड़े हिजड़े हैं, डांडिया खेलने वाले हिंदू हैं, क्या भिड़े ने उन्हें ही हंडगे कहा है? सपकाल ने इस सवाल का जवाब दिया. कल्याण में एक 72 वर्षीय दलित कांग्रेस कार्यकर्ता के साथ जातिसूचक शब्दों में गाली-गलौज कर अभद्र व्यवहार किया गया है. यह तथ्य कि ये गुंडे उसी गाँव के हैं जहाँ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हैं, यह स्पष्ट करता है कि भाजपा की संस्कृति क्या है. कांग्रेस मांग करती है कि इन गुंडों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए.

विदर्भ में भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने अगले 3 दिनों के लिए येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया

राष्ट्रबाण

नागपुर. भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने विदर्भ क्षेत्र के लिए अगले 3 दिनों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है. नागपुर, यवतमाल, बुलढाणा, वाशिम, चंद्रपुर, गड़चिरोली और अमरावती जिलों में येलो और ऑरेंज अलर्ट लागू किया गया है. मौसम विभाग के अनुसार, एक नया निम्न दबाव क्षेत्र बंगाल की खाड़ी में बना है, जो पश्चिमी दिशा में बढ़ रहा है. इसके प्रभाव से विदर्भ में 27 से 29 सितंबर के बीच भारी बारिश होने की संभावना है. विशेष रूप से 28 सितंबर को अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है.

नागपुर और आसपास के क्षेत्रों में शनिवार से ही रुक-रुक कर बारिश हो रही है, जिससे जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है. नदी-नालों के उफान पर होने और जलाशयों में जलस्तर बढ़ने से बाढ़ की स्थिति बन सकती है. कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि यह बारिश खरीफ फसलों के लिए हानिकारक हो सकती है, विशेषकर सोयाबीन और धान की फसलों के लिए. किसानों को सलाह दी गई है कि वे अपनी फसलों की स्थिति का मूल्यांकन करें और आवश्यकतानुसार जल निकासी की व्यवस्था करें. स्थानीय प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे निचले इलाकों में जलभराव से बचें और आवश्यकतानुसार ऊंचे स्थानों पर जाएं. साथ ही, नदी-नालों के पास न जाएं और बिजली गिरने की स्थिति में खुले स्थानों से दूर रहें. मौसम विभाग ने नागरिकों से सतर्क रहने और जारी की गई चेतावनियों का पालन करने की अपील की है.

-शांतनु अग्रवाल

आस्था चौदहवाँ जागृत शक्तिपीठ

श्रीराम व सीता ने किए थे आदिशक्ति रुद्रायणी देवी के दर्शन

राष्ट्रबाण

अकोला. भगवान श्रीराम, सीता और लक्ष्मण ने एक मनोरम, हरे-भरे पहाड़ पर स्थित चौदहवीं शक्तिपीठ, जागृति आदिशक्ति माता रुद्रायणी देवी के दर्शन किए. अपने वनवास के दौरान, उन्होंने दो बार रुद्रायणी किले पर चढ़कर देवी के चरणों में शीश नवाया था. ज़िले के बार्शीटाकली तालुका के चिंचोली क्षेत्र में स्थित रुद्रायणी देवी मंदिर में नवरात्रि उत्सव चल रहा है और दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है. सुंदर वातावरण में ऊँची पहाड़ी पर स्थित रुद्रायणी माता मंदिर में नवरात्रि उत्सव की एक महान परंपरा है. माता रुद्रायणी देवी शक्ति की प्रतीक हैं. अकोला शहर से मात्र 30 किलोमीटर दूर स्थित श्री रुद्रायणी देवी के दर्शन के लिए दूर-दूर से बड़ी संख्या में भक्त आते हैं. देवी का मंदिर प्राचीन है. अजंता पहाड़ियों का अंतिम स्थान रुद्र पर्वत है, और इसी रुद्र नाम से देवी का नाम रुद्रायणी पड़ा. इस वर्ष नवरात्रि उत्सव 22 सितंबर से प्रारंभ हुआ. मंदिर के तलहटी में वन विभाग का पर्यटन क्षेत्र है. इस मंदिर क्षेत्र के चारों ओर फैली विभिन्न प्रजातियों के वृक्षों की हरियाली श्रद्धालुओं को आकर्षित करती है और एक मनमोहक एवं रमणीय वातावरण का निर्माण करती है. रुद्रायणी किले में 360 सीढ़ियाँ हैं. भक्त बड़ी श्रद्धा से किले पर चढ़कर देवी के दर्शन करते हैं.

वर्तमान में नवरात्रि पर्व के कारण मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ है. प्रतिदिन बड़ी संख्या में भक्त दर्शन के लिए आ रहे हैं. नवरात्रि पर्व के दौरान, स्वयंसेवकों और संस्थाओं द्वारा भक्तों की सुविधा के लिए विभिन्न उपाय किए गए हैं. मंदिर पर आकर्षक विद्युत प्रकाश व्यवस्था की गई है.

अयोध्या और रुद्रायणी किले की तलहटी में है 'चंद्रविकास' कमल

रुद्रायणी देवी का उल्लेख 'रामविजय' ग्रंथ और भागवत कथा में प्रमुखता से मिलता है. रामविजय ग्रंथ के पंचम अध्याय के 128वें श्लोक में दर्ज है कि वनवास के दौरान भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और सीता माता दो बार रुद्रायणी देवी के दर्शन के लिए आए थे. उन्होंने सुंदर सफेद कमल के फूल लेकर देवी की पूजा और आराधना की थी. रुद्रायणी किले की तलहटी में स्थित पैर के आकार के सरोवर को पद्मा सरोवर कहा जाता है. भगवान श्रीराम और सीता माता ने इस सरोवर में विचरण किया था. वहां 'चंद्रविकास' कमल के फूल खिलते हैं. ऐसा कहा जाता है कि ये कमल अयोध्या और रुद्रायणी किले की तलहटी में स्थित सरोवर में केवल रात में ही खिलते हैं. 'चंद्रविकास' के रूप में जाना जाने वाला कमल आज भी यहां सरोवर में खिलता है.

खेत में 4 महिलाएं बिजली गिरने से घायल

2 की हालत गंभीर

राष्ट्रबाण

अमरावती. शुक्रवार की दोपहर जिले में अचानक भारी बारिश के साथ बिजली गिरी. इस बीच, धामणगांव रेलवे तहसील के हिरपुर में चावरे के खेत में बिजली गिरने से खेत में काम कर रही 4 महिलाओं के घायल होने की घटना सामने आई है. पिंकी प्रमोद बंसोड़ (उम्र 40) और मीना नामदेव आत्राम (उम्र 35) गंभीर रूप से घायल हो गईं और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है. धामणगांव रेलवे के सरकारी ग्रामीण अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद, उन्हें आगे के इलाज के लिए यवतमाल के सरकारी जिला अस्पताल में रेफर कर दिया गया है.

नागपुर रेल मंडल में 'कवच' तकनीक का बड़ा सफल प्रयोग

परासिया–पलचौरी के बीच 11.2 किलोमीटर ट्रैक पर हुआ ऐतिहासिक ट्रायल

स्वदेशी 'कवच' से ट्रेनें होंगी और सुरक्षित

राष्ट्रबाण

नागपुर. भारतीय रेल ने यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है. नागपुर रेल मंडल में स्वदेशी तकनीक से विकसित 'कवच' (Kavach) से लैस पहली ट्रेन का सफल परीक्षण कर लिया गया है. शनिवार को यह ट्रायल परासिया से पलचौरी स्टेशन के बीच 11.2 किलोमीटर लंबे मार्ग पर किया गया. रेल मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि 'कवच' तकनीक एक अत्याधुनिक ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम है, जो सिग्नल अनदेखी, ओवरस्पीडिंग तथा टकराव जैसी घटनाओं पर स्वतः रोक लगा सकता है. इस प्रणाली में लोकोमोटिव और ट्रैक दोनों पर विशेष उपकरण लगाए जाते हैं, जो लगातार एक-दूसरे से संवाद करते रहते हैं. जैसे ही कोई खतरा सामने आता है, सिस्टम ट्रेन की गति नियंत्रित कर देता है और जरूरत पड़ने पर स्वतः ब्रेक भी लगा देता है. अधिकारियों का कहना है कि इस तकनीक का सबसे बड़ा लाभ ट्रेन दुर्घटनाओं की आशंका को लगभग समाप्त कर देना है. अबतक कई हादसे मानवीय भूल के कारण होते रहे हैं, मगर 'कवच' के लागू होने से इन पर रोक लग सकेगी. रेलवे सूत्रों के अनुसार, नागपुर मंडल के बाद इस तकनीक को अन्य महत्वपूर्ण मार्गों पर भी चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा. इससे न केवल यात्री सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि रेलवे की विश्वसनीयता भी और मजबूत होगी. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस सफलता पर संतोष जताते हुए कहा कि "कवच भारतीय रेल के लिए गेमचेंजर साबित होगा.

-शांतनु अग्रवाल

> **"यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भी एक बड़ा कदम है." उन्होंने बताया कि आने वाले वर्षों में देशभर के रेल नेटवर्क को इस तकनीक से जोड़ने की योजना है. नागपुर के स्थानीय यात्रियों और सामाजिक संगठनों ने भी इस उपलब्धि का स्वागत किया है. उनका कहना है कि यदि यह तकनीक पूरे नेटवर्क पर लागू हो जाती है तो भारत रेलवे सुरक्षा के मामले में विश्व के अग्रणी देशों की कतार में खड़ा होगा. इस ट्रायल के सफल होने के साथ ही नागपुर रेल मंडल ने एक नई पहचान बना ली है. अब यह शहर न केवल औद्योगिक और शैक्षणिक महत्व का केंद्र है बल्कि रेलवे सुरक्षा तकनीक के इतिहास में भी अपना नाम स्वर्णाक्षरों में दर्ज करा चुका है.**

गौ-आहार दान कार्यक्रम का आयोजन

नागपुर. मानव संसाधन विभाग, मुंबई द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार,सेवा पंढरवाड़ा (17 सितंबर से 2 अक्टूबर) के अंतर्गत महापारेषण 400 केवी उपकेंद्र प्रभाग-2 द्वारा मोरोपंत पिंगले गौरक्षण, धंतोली में स्वस्फूर्त गौ-आहार दान कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर कार्यपालक अभियंता लीलाधर लोहारे, अतिरिक्त कार्यपालक अभियंता विभूषण समर्थ, अतिरिक्त कार्यपालक अभियंता विनोद पखाले और सहायक अभियंता तुषार येसनसुरे उपस्थित थे. गायों को हरा चारा, भूसा, कड़ाहा और फल दिए गए. महापारेषण कंपनी द्वारा यह संदेश दिया गया कि गाय को चारा खिलाना और उसकी सफाई करना भी एक राष्ट्रीय सेवा है. इस अवसर पर महापारेषण कंपनी के कार्यों की जानकारी दी गई तथा उपस्थित लोगों ने इसकी सराहना की.

मीटर डेटा मैनेजमेंट सिस्टम से निगरानी

स्मार्ट मीटर छेड़छाड़ पर MSEDCL सख्त, अब होगी तुरंत FIR

राष्ट्रबाण

बिजली चोरी और गड़बड़ी पर कसेगा शिकंजा

नागपुर. महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (MSEDCL) ने स्मार्ट मीटर छेड़छाड़ और बिजली चोरी पर कड़ा रुख अपनाने का निर्णय लिया है. नागपुर क्षेत्र सहित पूरे विदर्भ में कंपनी ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि यदि किसी उपभोक्ता द्वारा स्मार्ट मीटर में गड़बड़ी या छेड़छाड़ पाई जाती है, तो संबंधित विभाग तुरंत पुलिस में एफआईआर दर्ज कराएगा. कंपनी ने मीटर डेटा मैनेजमेंट सिस्टम (MDMS) की मदद से निगरानी व्यवस्था और मजबूत कर दी है. इस प्रणाली से यह तुरंत पता चल जाएगा कि कहीं मीटर से छेड़छाड़ तो नहीं हुई. अधिकारियों का कहना है कि पहले जहां बिजली चोरी के मामलों की जांच में समय लगता था, वहीं अब रीयल टाइम डाटा से सबूत मिलना आसान हो गया है. एमएसईडी-सीएल के उच्च अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि बिजली चोरी से कंपनी को हर साल करोड़ों रुपये का नुकसान उठाना पड़ता है. स्मार्ट मीटर का उद्देश्य न केवल सटीक बिलिंग करना है, बल्कि बिजली की खपत का पारदर्शी रिकॉर्ड तैयार करना और चोरी पर नकेल कसना भी है.

-शांतनु अग्रवाल

- **विदर्भ क्षेत्र में पहले भी कई बार बिजली चोरी और मीटर टेंपरिंग के मामले सामने आए हैं.**
- **अब सख्त निगरानी और कानूनी कार्रवाई से उपभोक्ताओं में डर पैदा होगा. अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि "मीटर से छेड़छाड़ करने वाले अब बच नहीं पाएंगे.**
- **कंपनी न केवल जुर्माना वसूलेगी बल्कि कानूनी कार्रवाई भी सुनिश्चित करेगी."**
- **विशेषज्ञों का मानना है कि इस सख्ती से न केवल राजस्व घाटा कम होगा बल्कि उपभोक्ताओं को भी पारदर्शी बिजली बिल मिलेंगे.**

अखंड रामायण पाठ का समापन

राष्ट्रबाण

नागपुर. श्री राधाकृष्ण उत्सव मंडल द्वारा विगत 40 वर्षों से सतत अखंड रामायण पाठ का आयोजन करते हैं. प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 12 परिवार यजमान के निवास स्थान पर सदस्यों तथा भक्तों द्वारा बड़े ही भक्तिपूर्ण वातावरण में रामायण का पाठ संपन्न हुआ. चर्तुमास में होनेवाले पाठ का आयोजन ड्रा द्वारा निकले यजमान के घर पर किया जाता है. लगातार 22 घंटे तक पाठ का पठन भक्तों ने करके सभी आनंद सरोवर में डूब गये. कार्यक्रम की सफलता के लिये संस्था अध्यक्ष राजेश मूंदडा एवं सचिव मनोज बियाणी सहित संयोजक मंडल वसंत बागड़ी, विकास बिहाणी, विजय बागडी दिनेश बियाणी, मनीष कयाल सहित सभी सदस्यों ने आयोजन की सफलता के लिये अथक प्रयास किया. उपरोक्त जानकारी संस्था के प्रचार मंत्री नारायण सारडा ने दी.

धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस की पूर्व संध्या पर भीम सैनिकों का महासम्मेलन

पीपुल्स रिपब्लिकन पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन 1 को

राष्ट्रबाण

नागपुर. धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस की पूर्व संध्या पर पीपुल्स रिपब्लिकन पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन और भीम सैनिकों का महासम्मेलन 1 अक्टूबर को शाम 5 बजे नागपुर के आईटीआई मैदान, दीक्षाभूमि मार्ग, श्रद्धानंदपेठ में आयोजित किया जा रहा है. रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के संस्थापक नेता स्वर्गीय बैरी राजाभाऊ खोबरागड़े की जन्मशती के अवसर पर, पार्टी के अधिवेशन मंच का नाम बैरी राजाभाऊ खोबरागड़े जन्मशताब्दी मंच रखा गया है. पार्टी के 45वें राष्ट्रीय अधिवेशन में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, केंद्रीय सामाजिक न्याय मंत्री रामदास अठावले, एकतावादी रिपब्लिकन नेता नानासाहेब इंदिसे आदि को आमंत्रित किया गया है. इसके साथ ही, बोधगया स्थित महाबोधि महाविहार की मुक्ति के लिए 14 अक्टूबर 2025 को मुंबई के आजाद मैदान में विराट मुक्ति मोर्चा का आयोजन किया गया है. महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन कृति समिति द्वारा आयोजित इस मार्च में देश भर से 35 हजार भीम सैनिक भाग लेंगे. राज्य के सभी अंबेडकरवादी संगठनों और भीम सैनिक सभा द्वारा आयोजित इस मार्च में देश भर से 35 हजार भीम सैनिक भाग लेंगे, ऐसी जानकारी प्रो. जोगेंद्र कवाड़े ने दी. प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीपुल्स रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जोगेंद्र कवाडे के साथ शहर अध्यक्ष कैलाश बोम्बले, कार्यालय सचिव भीमराव कलमकर, विजय पाटिल, दिलीप पाटिल, रवि वाघमारे, मृणाल गोस्वामी, डैनी शामकुवर, बापू भोंगाडे, हिमांशु मेंढे, भीमराव देशपांडे और आत्माराम वंजारी उपस्थित थे.

> **पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जयदीप कवाड़े के मार्गदर्शन में पार्टी की उच्चस्तरीय समिति की बैठक हो रही है, जिसमें पार्टी के विभिन्न प्रदेश अध्यक्षों के साथ-साथ महाराष्ट्र प्रभारी गोपालराव अटोटे गुरुजी, प्रदेश अध्यक्ष गणेशभाई एमवाने, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष चरणदासजी इंगोले भाग लेंगे. इस महत्वपूर्ण बैठक में राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव, पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण, निजी विश्वविद्यालयों और औद्योगिक क्षेत्रों में आरक्षण, प्रभावित किसानों के मुद्दे, बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई को लेकर रणनीतिक निर्णय लिए जाएंगे.**

महापारेषण कोराडी-2 की वृक्षारोपण पहल

नागपुर. छत्रपति शिवाजी महाराज स्वस्व अभियान के अंतर्गत, प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती तक (17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक) सामाजिक प्रतिबद्धता को बनाए रखते हुए और राष्ट्र सेवा एवं जनकल्याण की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए महाराष्ट्र विद्युत पारेषण कंपनी, 400 केवी उप-केंद्र संवासु संभाग कोराडी-2 द्वारा वृक्षारोपण पहल का आयोजन किया गया. यह पहल जिला परिषद उच्च प्राथमिक विद्यालय, नांदा (प.) जिला परिषद नागपुर में क्रियान्वित की गई. इस अवसर पर कार्यपालक अभियंता लीलाधर लोहारे, विभूषण समर्थ एवं विनोद पखाले, प्रणव चौधरी, तसत्यवान बर्डे, गायकवाड़, चंद्रकुमार सोमकुंवर आदि उपस्थित थे.

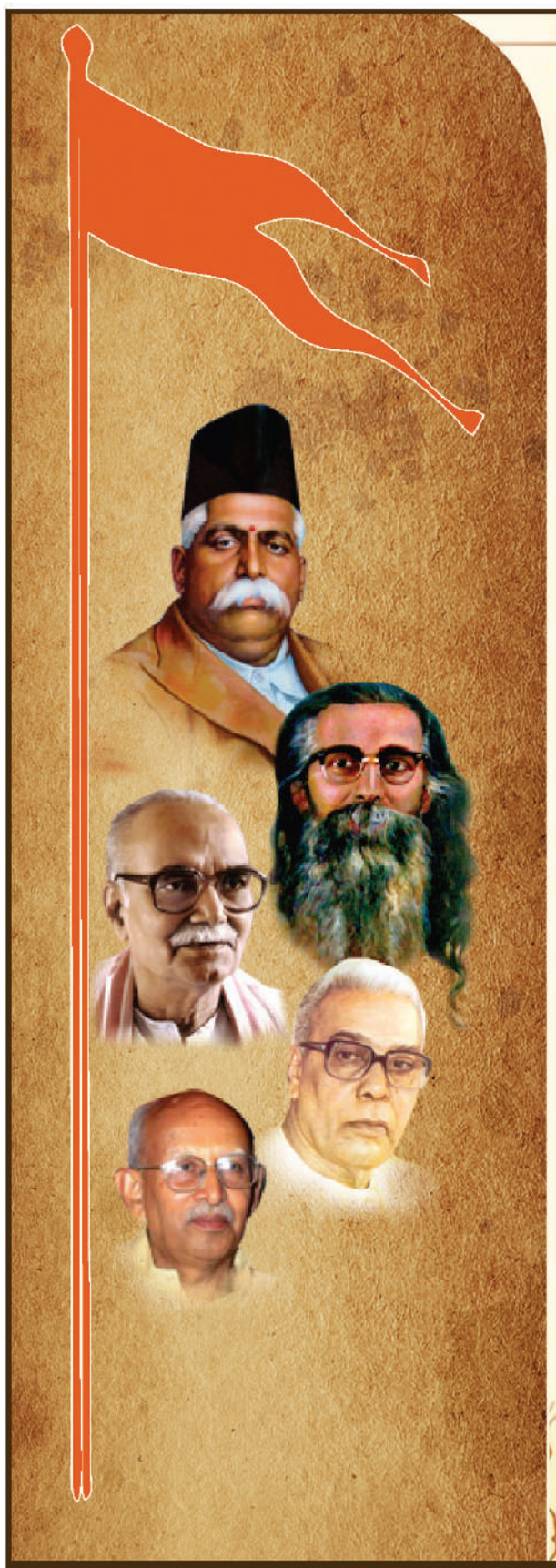

संघगीत-लोकार्पण सोहळा

रविवार, २८ सितंबर, २०२५ शाम ६.०० बजे

स्थल : कविवर्य सुरेश भट सभागृह, रेशिमबाग, नागपुर

शुभहस्ते

प. पू. डॉ. श्री. मोहनजी भागवत

सरसंघचालक, रा.स्व.सं.

विशेष उपस्थिती

मा. ना. श्री. देवेंद्र फडणवीस

मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र राज्य

प्रमुख उपस्थिती

मा. ना. श्री. नितीन गडकरी

केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार

असंख्य भारतीयों के मन में राष्ट्रभक्ति की ज्योत जगाने वाले संघगीतों ने प्रत्यक्ष मंत्र शक्ति का कार्य किया है. ऐसे ही इन चुनिंदा गीतों को नए सिरे से संगीतबद्ध किया गया है.

प्रस्तुति

श्री. शंकर महादेवन

संगीतकार एवं गायक

लोकार्पण समारोह में आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है.

कोटी चरण बढ चले
ध्येय पथ की ओर...

खासदार सांस्कृतिक महोत्सव

विनीत:

खासदार सांस्कृतिक महोत्सव समिती, नागपुर

सूचना: कार्यक्रम के ३० मिनिट पूर्व अपना स्थान निश्चित करे. सुरक्षा कारण हेतू निमंत्रण पत्रिका अनिवार्य.